दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 14.09.2020

प्रकाशनार्थ

(हिन्दी दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान कार्यक्रम)

हिन्दी भाषा विचारों और भावनाओं के प्रवाह हेतु सर्वोपयुक्त-डॉ.फूलचन्द प्रसाद गुप्त

गोरखपुर 14 सितम्बर 2020। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर में गोरखनाथ साहित्य केन्द्र के तत्वावधान में हिन्दी दिवस के अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन हुआ। हिन्दी भाषा सबके लिए सुलभ और सुगम है, हिन्दी भाषा आन्तरिक अभिव्यक्ति के लिए सर्वोपरि है। इस बात का प्रमाण हिन्दी सिनेमा की भारी मांग और लगभग सभी प्रचार के हिन्दी में प्रसारण द्वारा स्पष्ट होता है। हिन्दी भाषा का विदेशो में रहने वाले भारतीय मुल्क के नागरिकों द्वारा व्यापक उपयोग इस बात को बल देता है कि विचारो और भावनाओ के प्रवाह हेतु हिन्दी भाषा सबसे बेहतर है। अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा से कोई द्वेष नही है पर हिन्दी भाषा के अधिकाधिक उपयोग के लिए हमें समाज के सभी आयु वर्ग के लोगों को प्रेरित करना चाहिए। हिन्दी भाषा अपने समृद्ध स्वरूप के बावजूद भी राजनीतिक कारणों के कारण राष्ट्रभाषा के दर्जे के लिए संघर्षमय है। उक्त बातें मुख्य वक्ता डॉ.फूलचन्द प्रसाद गुप्त प्रवक्ता हिन्दी, महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, गोरखपुर ने कही।

मुख्य अतिथि का स्वागत परिचय करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि यद्यपि मेरा मानना है कि भाषा और माता का दिवस नही होता फिर भी हिन्दी भाषा को सर्वग्राही बनाने व राष्ट्रभाषा का विस्तृत स्वरूप प्रदान करने हेतु हमें हिन्दी भाषा के उपयोग हेतु विद्यार्थियों को सदैव उत्साहित करना चाहिए और सभी विषयो के अध्ययन हेतु हिन्दी भाषा का उपयोग करना चाहिए। विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों द्वारा पढ़ाई और कार्यालयी कार्य हेतु हिन्दी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नितीश शुक्ल ने कहा कि हिन्दी भाषा सबके दिलों में राज करती है पर लोग इसके व्यापक उपयोग से डरते है क्योंकि उन्हें लगता है कि हिन्दी भाषा के उपयोग से उनकी विद्वता को कम में आका जाएगा। विज्ञान के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग की आवश्यकता है ताकि विज्ञान का प्रवाह भी हिन्दी भाषा में संभव हो सके। **'हिन्दी तुम कहॉ हो, सबकी जूबा हों।'**

कार्यक्रम का संचालन श्री पवन कुमार पाण्डेय जी ने किया और हिन्दी भाषा के उपयोग हेतु युवाओं को प्रेरित करने की बात पर बल दिया। इस कार्यक्रम में जूम ऐप और यूट्यूब के माध्यम से महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी सम्मिलित हुए।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी,सूचना एवं जनसम्पर्क